वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एमआरजे 08

एम.ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा

राजस्थानी भक्ति साहित्य

अवधि 3 **घंटे** **अधिकतम अंक** 80

निर्देश: **प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब, स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबन्धात्मक प्रश्न सामिल है।**

खंड- स

नोट: **नीचै लिख्या प्रश्नां मांय सूं कोई दो प्रश्न करणा है। सबद सीमा** 400 **सूं** 500 **सबद है। हरैक प्रश्न** 16 **अंक रौ है।** **16 × 2 = 32**

प्रश्न 1 **सगुण भगती री न्यांरी-न्यांरी भगती धारावां रौ खुळासो करौ।**

अथवा

राजस्थान रै संता रौ मध्यकाल में योगदान नै स्पष्ट करो।

प्रश्न 2 **निम्बार्क सम्प्रदाय पर टिप्पणी लिखो।**

अथवा

सगुण भगती में मीरां रौ स्थान निर्धारित करो।

प्रश्न 3 **दादू पंथ में दादू रै चेला री विगत मांडो।**

अथवा

भगतीकाल री धारमिक पृ स्ठभोम नै समझावो।

प्रश्न 4 **संत रामचरण री वाणियां में समाज अर संस्कृति नै उजागर करो।**

अथवा

राजस्थान री लाक-देवियां रौ परिचै देवतां थकां उणांरौ समाज अर संस्कृति रै योगदान नै स्पष्ट करो।

प्रश्न 5 **निरगुणी भगती री साधना नै समझावो।**

अथवा

राम अर क्रिसन भगती काव्य स्त्रोत री विस्तार रै साथै जाणकारी दिरावो।

प्रश्न 6 **गौड़ीय सम्प्रदाय में चित्रित क्रिसन भगती रौ सुरूप उदाहरण साथै स्पष्ट करो।**

अथवा

रामस्नेही सम्प्रदाय री न्यांरी-न्यांरी साखवां नै उणांरै प्रवर्तकां रै मुजब स्पष्ट करो।

प्रश्न 7 **जाम्भोजी री वाणियां रा दारसनिक अर सामाजिक पखा नै उदाहरण समेत समझवो।**

अथवा

संत चरणदास री वाणियां रा दारसनिक अर आध्यात्मिक विचारां रौ खुकासो उदाहरण समेत करो।

प्रश्न 8 **राजस्थानी रै भगतीकाल नै 'स्वर्णकाल' क्यूं कैवै है ? न्यांरी-न्यांरी भगतियां रै आधार माथै कथन री पुस्टि करावो।**

अथवा

राजस्थान रै लोक देवतावां रौ समाज में योगदान ने स्पष्ट करो।